Downloaded from www.studiestoday.com

विषय-7

बदलती हुई सांस्कृतिक परम्पराएं

स्मरणीय तथ्य-

- चौदहवीं शताब्दी से सत्रहवीं शताब्दी के अन्त तक यूरोप के अनेक देशों में नगरों की संख्या का बढ़ना तथा एक विशेष प्रकार की नगरीय संस्कृति का विकास।
- बाइजेंटाइन साम्राज्य और इस्लामी देश तथा बारहवीं शताब्दी में मंगोलों और चीन के बीच व्यापार बढ़ने से इटली के नगरों का मुख्य रूप से पुनरुत्थान।
- यूरोप में सबसे पहले विश्वविद्यालय इटली में स्थापित। नगरों के प्रमुख क्रियाकलाप व्यापार और वाणिज्य सम्बन्धी होने के कारण विश्वविद्यालय विधिशास्त्र के अध्ययन के केन्द्र।
- इटली में सर्वप्रथम मानवतावादी विषयों - इतिहास, नीतिदर्शन, व्याकरण, अलंकार शास्त्र आदि विषयों का अध्ययन आरम्भ।
- चौदहवीं शताब्दी में कुछ विद्वानों द्वारा यूनानी ग्रंथों के अरबी अनुवाद के कारण यूनानी तथा रोम के साहित्य और उसमें अन्तर्निहित ज्ञान को प्रोत्साहन मिला और उसका प्रचार भी हुआ।
- साथ ही यूनानी विद्वानों द्वारा अरबी और फारसी विद्वानों की कृतियों का यूरोपीय लोगों के बीच प्रसार के लिए अनुवाद किया गया।
- मानवतावादी विचारों का प्रसार केवल औपचारिक शिक्षा द्वारा ही नहीं अपितु कला, वास्तुकला और ग्रंथों द्वारा भी किया गया। भौतिक अवशेषों की भी प्राचीन ग्रंथों की भांति खोज की गई।
- यथार्थ चित्र बनाने की चाह ने शरीर विज्ञान, रेखागणित, भौतिकी और सौंदर्य की उत्कृष्ट भावना को उजागर किया। इन सबने इतालवी कला को नया रूप दिया जिसे बाद में यथार्थवाद कहा गया।
- वास्तुकला की नई शैली - शास्त्रीय शैली से परिचित शिल्पकारों ने भवनों को लेपचित्रों, मूर्तियों से सुसज्जित किया और रोम को पुनर्जीवित कर दिया।
- मानवतावादी संस्कृति ने मानव जीवन पर धर्म का नियन्त्रण कमजोर किया तथा भौतिक सम्पत्ति, शक्ति और गौरव की ओर आकर्षण बढ़ाया।

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

- सोलहवीं शताब्दी में मुद्रण में क्रांति के कारण साहित्य का तेजी से प्रचार व प्रसार हुआ। अतः विचार, मत और जानकारी का तेजी से प्रचार हुआ।
- महिलाओं की भागीदारी – पारिवारिक फैसलों तथा सार्वजनिक जीवन में सीमित थी, किन्तु कुछ अपवाद भी थे जैसे- वेनिस निवासी फेदेले-लेखिका, मंटुआ की मार्चिसा ईसाबेला-दि इस्ते।
- इसाई धर्म के अन्तर्गत मतभेद- पाप स्वीकारोक्ति दस्तावेज की आलोचना, चर्च द्वारा लगाए गए नए करों का विरोध।
- जर्मन युवा भिक्षु मार्टिन लूथर किंग द्वारा कैथोलिक चर्च का विरोध, प्रोटेस्टेंट सुधारवाद आन्दोलन का आरम्भ।
- कोपरनिकसीय घोषणा- पृथ्वी समेत सारे ग्रह सूर्य के चारों ओर परिक्रमा करते हैं। किन्तु परंपरावादी ईसाई धर्माधिकारियों की घोर प्रतिक्रिया के डर से कोपरनिकस ने यह घोषणा प्रकाशित नहीं की।
- कैप्लर तथा गैलीलियो ने कोपरनिकस के सूर्य केंद्रित सौरमंडलीय सिद्धांत को लोकप्रिय बनाया।
- पुनर्जागरण की अवधारणा पर पुनर्विचार- यह कहना कि पुनर्जागरण गतिशीलता और कलात्मक सृजनशीलता का काल था और इसके विपरीत मध्यकाल अंधकारमय (जिसमें किसी प्रकार का विकास न हो) काल, पूर्ण रूप से उचित नहीं है।
- निजी और सार्वजनिक क्षेत्रों का उद्भव।

अति लघु प्रश्न (2 अंक वाले)

1. इटली के तटवर्ती बंदरगाहों के पुनर्जीवित होने के दो मुख्य कारण बताइये।
2. 'रेनेसाँ व्यक्ति' शब्द की व्याख्या कीजिए।
3. वेनिस और जेनेवा यूरोप के अन्य क्षेत्रों से किस प्रकार भिन्न थे?
4. 'दि पाइटा' नामक चित्र के चित्रकार कौन हैं? इसमें क्या दर्शाया गया है?
5. यथार्थवाद से क्या अभिप्राय है?
6. 15वीं शताब्दी में किन लोगों को मानवतावादी कहा गया?
7. पाप स्वीकारोक्ति नामक दस्तावेज क्या था?
8. सूर्य केंद्रित सौरमंडलीय सिद्धांत क्या था?
9. मार्टिन लूथर किंग कौन थे?

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

लघु प्रश्न (5 अंक वाले)

10. विज्ञान और दर्शन के क्षेत्र में अरबियों के योगदान की व्याख्या कीजिए।
11. पैट्रार्क के विचारों के परिप्रेक्ष्य में मानवतावादी विषयों के अध्ययन के महत्व को स्पष्ट कीजिए।
12. मुद्रण ने किस प्रकार मानवतावादी संस्कृति के प्रसार में सहायता की?
13. मध्यकालीन यूरोपीय समाज में महिलाओं की स्थिति स्पष्ट कीजिए।
14. कॉन्सटेन्टाइन के अनुवाद नामक दस्तावेज क्या था? मानवतावादी विद्वानों की इसके प्रति प्रतिक्रिया से चर्च के विरोधी राजाओं को खुशी क्यों हुई?
15. ब्रह्माण्ड के प्रति कोपरनिकस के सूर्य-केंद्रित सौरमंडलीय सिद्धांत तथा ईसाइयों के विश्वास में अन्तर स्पष्ट कीजिए।
16. ईसाई मानवतावादी इंग्लैंड के टॉमस मोर और हालैंड के इरेस्मस की चर्च के प्रति क्या अवधारणा थी?

दीर्घ प्रश्न (10 अंक वाले)

17. चौदहवीं शताब्दी को 'पुनर्जागरण' काल कहना कहाँ तक उचित है?
18. यूरोप के सर्वप्रथम विश्वविद्यालय इटली में क्यों स्थापित हुए? उन्होंने मानवतावादी विचारधारा के प्रसार में क्या योगदान किया?

अपेक्षित उत्तर/संकेत एवं मूल बिन्दु

अति लघु प्रश्नोत्तर (2 अंक वाले)

1. बाइज़ेंटाइन साम्राज्य और इस्लामी देशों के बीच व्यापार मंगोलों का चीन के साथ व्यापार
2. वह मनुष्य जिसकी अनेक रुचियाँ हो अनेक हुनर में उसे महारथ प्राप्त हो।
3. धर्माधिकारी और सामन्त राजनीतिक दृष्टि से शक्तिशाली नहीं थे। नगर के धनी व्यापारियों और महाजनों का शासन में सक्रिय भाग।
4. माइकल ऐंजिलो, मेरी को ईसा का शरीर धारण करते हुए।
5. यथार्थ चित्र बनाने की कोशिश

   शरीर विज्ञान, रेखागणित, भौतिकी तथा सौंदर्य की उत्कृष्ट भावना ने इतालवी कला को नया रूप दिया जिसे बाद में यथार्थवाद कहा गया।
6. 'वे जो भौतिक सम्पत्ति गौरव और शक्ति से आकृष्ट

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

वे जिनकी अच्छे व्यवहारों के प्रति दिलचस्पी थी।

7. चर्च द्वारा जारी दस्तावेज जो व्यकित को उसके सभी पापों से मुक्ति दिला सकें।

8. सूर्य स्थिर है और पृथ्वी समेत सारे गृह सूर्य के चारों ओर परिक्रमा करते हैं।

9. जर्मन युवा भिक्षु जिन्होंने चर्च कैथोलिक चर्च के विरुद्ध अभियान छेड़ा।

लघु प्रश्न (5 अंक वाले)

10. अतीत की पाण्डुलिपियों का संरक्षण तथा अनुवाद इब्न सिना तथा इब्न रुश्द का योगदान। अनुवादों के जरियें इक्का प्रचार-प्रसार।

11. पैट्रार्क के विचारों के अनुसार पुराकाल एक विशिष्ट सभ्यता जिसे प्राचीन यूनानियों और रोमनों के वास्तविक शब्दों के माध्यम से ही अच्छी तरह समझा जा सकता था।

    अत: प्राचीन लेखकों की रचनाओं के अध्ययन की आवश्यकता।

12. मुद्रण के कारण जो कुछ भी इटली में लिखा गया, विदेशों तक पहुंचा। विचार, मत और ज्ञान का तेजी से प्रसारण हुआ। मुद्रण से पहले कुछ ही हस्तलिखित प्रतियां।

13. पारिवारिक निर्णयों में तथा सार्वजनिक जीवन में महिलाओं की भागीदारी नहीं।

    कारोबार चलाने में महिलाओं की कोई राय नहीं यद्यपि दहेज को कारोबार में लगाया जाता था।

    व्यापारी महिलाओं की स्थिति भिन्न।

    कुछ अपवाद भी।

14. संभवत: प्रथम ईसाई रोमन सम्राट कान्स्टैंनटाइन द्वारा जारी न्यायिक और वित्तीय शक्तियों पर पादरियों का दावा मानवतावादी विद्वान यह दर्शाने में सफल रहे कि यह दस्तावेज असली नहीं अपितु परवर्ती काल में जालसाजी द्वारा तैयार- यह राजाओं की खुशी का कारण।

15. कोपरनिकस का सिद्धांत- सूर्य स्थिर है, पृथ्वी समेत सारे ग्रह सूर्य के चारों ओर चक्कर काटते हैं।

    ईसाइयों का विश्वास- पृथ्वी पापों से भरी है और पापों की अधिकता के कारण वह स्थिर है। पृथ्वी ब्रह्माण्ड के बीच में स्थिर है। जिसके चारों ओर खगोलीय ग्रह घूम रहे हैं।

16. चर्च लालची और लूट खसोट वाली संस्था।

    पाप स्वीकारोक्ति दस्तावेज धन ठगने का तरीका।

    कान्स्टैनटाइन के अनुवाद नामक दस्तावेज जालसाजी द्वारा तैयार किसानों पर लगाए गए कर अधिक और अनुचित।

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

दीर्घ प्रश्नों के उत्तर

17. ❑ अब पुनर्जागरण की अवधारणा पर पुनर्विचार।

❑ प्रश्न यह कि क्या पहले का काल 12 वीं व 13 वीं सदी अंधकार का काल था।

❑ इंग्लैंड के पीटर बर्क का सुझाव कि बर्कहार्ट के विचार अतिश्योक्तिपूर्ण।

❑ इस काल और पहले के कालों के फर्क को बढ़ा-चढ़ा कर पेश किया।

❑ पुनर्जागरण गतिशीलता व कलात्मक सृजनशीलता का काल तथा मध्यकाल अंधकारमय काल सही नहीं।

❑ इटली में पुनर्जागरण से जुड़े तत्व 12 वीं व 13 वी सदी में फ्रांस में साहित्यिक व कलात्मक रचनाओं के विचार पनपे।

❑ इस समय के बदलावों में केवल रोम व यूनान की क्लासिकी सभ्यता का हाथ नहीं बल्कि एशिया की विकसित प्रौद्योगिकी व कार्य कुशलता का भी हाथ विकसित प्रौद्योगिकी व कार्य कुशलता का भी हाथ।

❑ विश्व का बड़ा क्षेत्र आपस में संबद्ध हो चुका था।

❑ वास्तव में यूरोप के प्रारंभिक इतिहासकारों ने पुनर्जागरण पर यूरोप केन्द्रित दृष्टिकोण ही रखा।

18. ❑ सबसे पहले विश्वविद्यालय इटली में स्थापित होने के कारण -

❑ 11 वीं सदी से पादुआ व बोलोनिया नगर व्यापार व वाणिज्य से संबंधित।

❑ वकीलों व नोटरी की बड़े पैमाने के व्यापार के लिये नियमों को लिखने व्याख्या करने व समझौते तैयार करने के लिये आवश्यकता।

❑ अत: पादुआ व बोलोनिया विश्वविद्यालय विधिशास्त्र अध्ययन के केन्द्र।

❑ फ्रांचेस्को पेट्रार्क के प्रयत्नों से कानून रोमन संदर्भ में पढ़ा गया व वहां के प्राचीन लेखकों की रचनाओं को भी।

❑ नई संस्कृति में धार्मिक शिक्षण के परे भी ज्ञान की अवधारणा।

❑ पेट्रार्क के स्थायी नगर निवास फ्लोरेंस में भी विश्वविद्यालय, मानवतावादी विचारधारा का प्रसार।

❑ नये विश्वविद्यालयों मे व्याकरण, अलंकारशास्त्र, कविता, इतिहास व नीतिदर्शन विषय।

❑ इन विषयों को पढ़ाने वाले अध्यापक मानवतावादी कहलाए।

❑ ये विषय धार्मिक नहीं वरन् उस कौशल पर बल देते जो व्यक्ति के चर्चा व वाद-विवाद से विकसित।

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

- हयूमेनिटिज लातिनी शब्द हयूमेनिटास से बना।
- मानवतावादी विचारधारा के प्रसार में इटली के जीवंत बौद्धिक नगरों का योगदान उल्लेखनीय। दांते व जोटो का योगदान।

www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

विषय-7

बदलती हुई सांस्कृतिक परंपराएं

निम्नलिखित अनुच्छेद को पढ़िए और अन्त में पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए:-

''कला प्रकृति में रची-बसी होती है। जो इसके सार को पकड़ सकता है वही इसे प्राप्त कर सकता है.... इसके अतिरिक्त आप अपनी कला को गणित द्वारा दिखा सकते हैं। जिंदगी की अपनी आकृति से आपकी कृति जितनी जुड़ी होगी उतना ही सुंदर आपका चित्र होगा। कोई भी आदमी केवल आपके कल्पना मात्र से एक सुंदर आकृति नहीं बना सकता जब तक उसने अपने आप को जीवन की प्रतिछवि से न भर लिया हो।''

-अल्वर्ट ड्यूरर (Albrecht Durer, 1571-1528)

ड्यूरर द्वारा बनाया गया यह रेखाचित्र (प्रार्थनारत हस्त) सोलहवीं शताब्दी की इतालवी संस्कृति का आभास कराता है जब यहां के लोग गहन रूप से धार्मिक थे। परंतु उन्हें मनुष्य की योग्यता पर भरोसा था कि वह निकट पूर्णता को प्राप्त कर सकता है और दुनिया तक ब्रह्माण्ड के रहस्यों को सुलझा सकता है। ड्यूरर का तूलिका चित्र 1508 - ''प्रार्थना रत हस्त''

प्रश्न

1. इस चित्र के चित्रकार का नाम बताइये। 1
2. कला के संबंध में ड्यूरर के विचार स्पष्ट कीजिए 2
3. यह चित्र किस संस्कृति का आभास कराता है? 2
4. इटली के लोगों को मनुष्य की किस योग्यता पर विश्वास था? 3

निम्नलिखित अनुच्छेद को पढ़िए और अन्त में पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए:-

निकोलो मैक्यिावेली (Niccolo Machiavelli) अपने ग्रंथ दि प्रिंस (1513) के पंद्रहवें अध्याय में मनुष्य के स्वभाव के बारे में लिखते हैं-

''काल्पनिक बातों को यदि अलग कर दें और केवल उन्हीं विषयों के बारे में सोचें जो वास्तव में हैं, मैं यह कहता हूं कि जब भी मनुष्य के बारे में चर्चा होती है (विशेषकर राजकुमारों के बारे में, जो जनता की नजर में रहते हैं) तो इनमें अनेक गुण देखे जाते हैं जिनके कारण वे प्रशंसा या निंदा के योग्य बने हैं। उदाहरण के लिए कुछ को दानी माना जाता है और अन्य को कंजूस। कुछ लोगों को हितैषी माना जाता है तो अन्य को लोभी कहा जाता है, कुछ निर्दयी और कुछ दयालु। एक व्यक्ति

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

अविश्वसनीय और दूसरा विश्वसनीय; एक व्यक्ति कामुक, दूसरा पवित्र, एक निष्कपट दूसरा चालाक; एक अड़ियल दूसरा लचीला; एक गंभीर दूसरा छिछोरा; एक धार्मिक दूसरा संदेही इत्यादि।

मैक्यावेली यह मानते थे कि 'सभी मनुष्य बुरे हैं और वह अपने दुष्ट स्वभाव को प्रदर्शित करने में सदैव तत्पर रहते हैं क्योंकि कुछ हद तक मनुष्य की इच्छाएं अपूर्ण रह जाती हैं।' मैक्यावेली ने देखा कि इसके पीछे, प्रमुख कारण हैं कि मनुष्य अपने समस्त कार्यों में अपना स्वार्थ देखता है।''

प्रश्न

1. मनुष्य अपने किन गुणों के कारण निंदा अथवा प्रशंसा के योग्य होते हैं? 4
2. मैक्यावेली ने मनुष्य के स्वभाव के विषय में क्या विचार प्रस्तुत किये? 3
3. उपरोक्त विवरण किस पुस्तक से लिया गया है? 1

निम्नलिखित अनुच्छेद को पढ़िए और अन्त में पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए:-

1506 में अंग्रेजी भाषा में बाईबल का अनुवाद करने वाले, लूथरवादी अंग्रेज, विलियम टिंडेल (William Tyndale 1494-1536) ने प्रोटैस्टेंटवाद का इस तरह समर्थन किया:

''इस बात से सब लोग सहमत होंगे कि वे आपको धर्मग्रंथ के ज्ञान से दूर रखने के लिए यह चाहते थे कि धर्मग्रंथ के अनुवाद आपकी मातृभाषा में उपलब्ध न हो सकें। जिससे दुनिया अंधकार में ही रहे और वे (पुरोहित वर्ग) लोगों के अंत:कारण (conscience) में बने रहें जिससे उनके द्वारा बनाए व्यर्थ के अंधविश्वास और झूठे धर्मसिद्धांत चलते रहें; जिसके रहते उनकी ऊंची आकांक्षाएं और अतृप्त लोलुपता पूरी हो सके। इस तरह वे राजा, सभ्रांत वर्ग और यहां तक कि अपने को ईश्वर से भी ऊंचा बना सके... जिस बात ने मुझे मुख्य रूप से न्यू टेस्टामेंट का अनुवाद करने की प्रेरणा दी। मुझे अपने अनुभवों से ज्ञात हुआ कि सामान्य लोगों को किसी भी सच्चाई की तब तक जानकारी नहीं हो सकती जब तक उनके पास अपने धर्मग्रंथ के मातृभाषा में अनुवाद उपलब्ध न हों। इन अनुवादों से ही वे धर्मग्रंथ की परिपाटी, क्रम और अर्थ समझ सकेंगे।

प्रश्न

1. धर्मग्रंथों का मातृभाषा में उपलब्ध होना क्यों आवश्यक है? 2
2. पुरोहित वर्ग, लोगों के अन्त:करण में क्यों बने रहना चाहते थे? 2
3. विलियम टिंडेल ने इस अनुच्छेद के द्वारा ईसाई धर्म की किस विचारधारा का समर्थन किया है? 4

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

विषय-7

दिये गये इटली के मानचित्र में निम्नलिखित राज्यों को अंकित कीजिए?

कोर्सिका, सार्डीनिया, जेनेवा, फ्लोरेंस, पादुआ

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

विषय-7

दिये गये मानचित्र में इटली के 1-5 राज्य दिखाए गये हैं उन्हें पहचानकर उनके नामक लिखिए।

Downloaded from www.studiestoday.com